Nalanda Open university
e-content for B.A/B.Sc Home Science(Honours),Part-3

Soni kumari, Research Scholar,Magadh University,Bodh Gaya,Gaya

Councillor ,NOU,Patna,Bihar

Paper-7

Topic-Extention Education-Introduction,meaning,definition,objective

Scope,Importance and need.

परिचय एवं अर्थ

- प्रसार और शिक्षा दो पृथक शब्द है किंतु जब यह दोनों शब्द मिलकर “प्रसार शिक्षा बनते हैं, तो इनका अर्थ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है विशेष रुप से आधुनिक गांव के संदर्भ में प्रसार शिक्षा का आधार ग्रामीण जीवन है क्योंकि गांव के समग्र विकास के लिए ही इस विषय का प्रतिपादन हुआ है।

meaning,and need.

- प्रसार शिक्षा का तात्पर्य शिक्षा के उस अत्यधिक नवनीय विद्या से है जो शिक्षार्थी की आवश्यकता, सुविधा एवं क्षमता को ध्यान में रखकर उसकी समस्याओं के निदान के लिए उसे उसके स्थान पर शिक्षा उपलब्ध कराती
- प्रसार शिक्षा शिक्षा की अनौपचारिक पद्धति है।

<u>प्रसार शिक्षा की परिभाषा</u>:

क) डॉ. पी .चंद्रा – “प्रसार शिक्षा वह शिक्षा है जिससे जनता के ज्ञान ,कार्य करने की क्षमता ,समझ, मनोवृति में इस आशय से परिवर्तन लाया जाए कि वह प्रयत्नशील होकर अपने जीवन स्तर में स्थाई परिवर्तन ला सकें।”

ख) एच .डब्ल्यू .बट- “ग्रामीण जनजीवन को विकसित करने के लिए उपयुक्त ज्ञान को ग्रामीण जनों के बीच प्रचारित प्रसारित या वितरित करना ही प्रसार है।”

प्रसार शिक्षा के उद्देश्य

1. शैक्षिक उद्देश्य
2. भौतिक उद्देश्य
3. सामाजिक उद्देश्य
4. सामुदायिक उद्देश्य
5. सांस्कृतिक उद्देश्य

प्रसार शिक्षा के क्षेत्र

(क) मनुष्य के निजी विकास का क्षेत्र,

(ख) मनुष्य जिस वातावरण या परिवेश में रहता है उसका विकास,

(ग) मानव निर्मित संस्थाओं और साधनों का विकास एवं उन्नति।

प्रसार शिक्षा का महत्व

- प्रसार शिक्षा का महत्व भारतीय जनजीवन, विशेष रूप से भारतीय ग्रामीण जनजीवन ,को विकास, कल्याण एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसारित करने में निहित है।
- यह लोगों के मनोवृति ,कार्यक्षमता कार्य कौशल ,उनके ज्ञान और जानकारी तथा जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण में धनात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

प्रसार शिक्षा की आवश्यकता

* कृषि को को सभी सूचनाएं उपलब्ध कराना
* दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना
* जीवन दर्शन में परिवर्तन लाना
* शिक्षित करना
* मानसिकता में परिवर्तन लाना।